पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल से आस्ट्रेलिया की उच्चायुक्त ने भेंट की
देश एवं प्रदेश के विकास से जुडे विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

लखनऊः 30 जनवरी, 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक से भारत में आस्ट्रेलिया की उच्चायुक्त सुश्री हरिन्दर सिध्दू ने आज राजभवन में शिष्टाचारिक भेंट की तथा उत्तर प्रदेश के विकास में सहयोग करने पर चर्चा की। सुश्री हरिन्दर सिध्दू गत वर्ष फरवरी से आस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त के पद पर भारत में कार्य कर रही हैं। इस अवसर पर राज्यपाल की प्रमुख सचिव सुश्री जूथिका पाटणकर भी उपस्थित थी।

राज्यपाल ने कहा कि निवेश के क्षेत्र में आस्ट्रेलिया और भारत के बीच अच्छे और सौहार्दपूर्ण वातावरण का निर्माण हो सकता है जो दोनों देश की जनता के हित में होगा। आस्ट्रेलिया एवं भारत के बीच सूचना प्रौद्योगिकी, अवस्थापना विकास, निर्माण, सौर ऊर्जा, शिक्षा, कौशल विकास व अन्य क्षेत्रों में निवेश की अच्छी संभावनाएं हैं। भारत और आस्ट्रेलिया में अनेक विख्यात उच्च स्तरीय शिक्षण संस्थान हैं। आस्ट्रेलिया के विभिन्न शैक्षिक संस्थानों में भारत के बड़ी संख्या में छात्र शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में अनेक बडे सरकार एवं निजी क्षेत्र के शैक्षिक संस्थान हैं। विश्वविद्यालयों के बीच समझौता ज्ञापन से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में लाभ मिल सकता है। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि आपसी सहयोग के माध्यम से दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध और मजबूत होंगे।

श्री नाईक ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का बड़ा राज्य है। यहाँ की जमीन उपजाऊ है तथा सिंचाई के भी प्रचुर साधन हैं। कृषि यहाँ का मुख्य व्यवसाय है। खाद्य प्रसंस्करण, दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश में विकास की असीम संभावनाएं है। उत्तर प्रदेश में फल एवं सब्जियों का उत्पादन भी अच्छी मात्रा में होता है। इस दृष्टि से खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में भी बहुत कुछ किया जा सकता है। प्रदेश में ज्यादातर लघु एवं सीमान्त किसान हैं, जिनके हित को ध्यान में रखते हुए एक नयी कार्य योजना तैयार की जा सकती है। उत्तर प्रदेश में क्षेत्रीय पर्यटन के अनेक स्थल हैं, जिससे अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा मिल सकता है। उन्होंने कहा कि जो भी विदेशी मेहमान भारत आता है वह पर्यटन की दृष्टि से आगरा का ताजमहल, बनारस के घाट, लखनऊ की ऐतिहासिक ईमारतें व इलाहाबाद का संगम देखने अवश्य जाता है।

राज्यपाल ने प्रदेश की शिक्षा, स्वास्थ, डेयरी, जल प्रबंधन एवं कृषि के क्षेत्र से संबंधित विषयों पर विशेष रूप से चर्चा की। राज्यपाल ने बताया कि उत्तर प्रदेश का राज्यपाल होने से पहले वे तीन बार महाराष्ट्र विधान सभा के सदस्य तथा पांच बार संसद सदस्य रहे हैं। 1999 से 2004 तक उन्होंने पेट्रोलियम मंत्री के तौर पर पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में काम किया है।

आस्ट्रेलिया की उच्चायुक्त सुश्री हरिन्दर सिध्दू ने कहा कि आस्ट्रेलिया भारत से आर्थिक एवं व्यापारिक संबंध बढ़ाना चाहता है। भारत में शिक्षा, कृषि, जल प्रबंधन के क्षेत्र में भी आस्ट्रेलिया सहयोग करेगा। उन्होंने बताया कि उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि भारतीय रही है तथा उन्हें भारत से विशेष लगाव है। उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलिया उत्तर प्रदेश के विकास में सहभाग करना चाहता है।

राज्यपाल ने सुश्री हरिन्दर सिध्दू को पुस्तक 'उत्तर प्रदेश राजभवन के पक्षी' तथा 'ट्रीज आफ उत्तर प्रदेश' की प्रतियाँ भेंट की।

अंजुम/ललित/राजभवन (41/41)

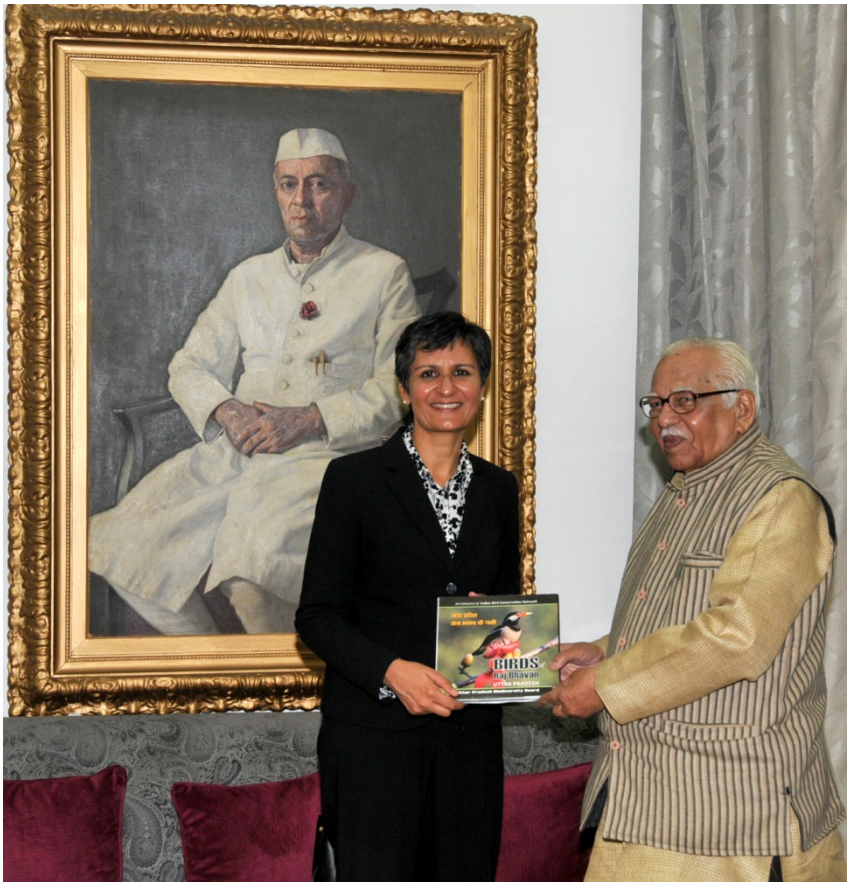
BIRDS
Rajbhavan
UTTAR PRADESH